# साईं बाबा आरती गीत

साईं बाबा आरती गीत

आरती श्री साईं गुरुवर की, परमानन्द सदा सुरवर की।
जा की कृपा विपुलपुल सुखकारी, दुःखःख, शोक, संकट, भयहारी।

शिरडीरडी में अवतार रचाया, चमत्कार से तत्त्व दिखाया।खाया।
कितनेतने भक्त शरण में आए, वे सुख शान्ति
निरंतररंतर पाये।

भाव धरै जो मन में जैसा, साईं का अनुभव हो वैसा।
गुरु की उदी लगावे तन को, समाधान लाभत उस तन को।

साईं नाम सदा जो गावे, सो फल जग में शाश्वत पावे।
गुरुवासर करि पूजा सेवा, उस पर कृपा करत गुरुदेवा।

राम, कृष्ण, हनुमान रूप में, दे दर्शनशन जानत जो मन में।
विविधध धर्म केसेवक आते, दर्शनशन कर इच्छित्छित फल पाते।

जै बोलो साईं बाबा की, जै बोलो अवधूत गुरु की।
साईं की आरती जो कोई गावै, घर में बस सुख मंगल पावे।

अनंतकोटि
ब्रम्हांडनायकहांडनायक राजाधिराजराज योगिराज
राज जय जय जय साईं बाबा
की,
आरती श्री साईं गुरुवार की।

आरती श्री साईं गुरुवर की, परमानन्द सदा सुरवर की।